हिंदी सेवी सम्मान योजना : एक परिचय

केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत द्वितीय और विदेशी भाषा के रूप में हिंदी के शिक्षण-प्रशिक्षण, अनुसंधान और बहुआयामी विकास के लिए कार्यरत एक शैक्षिक संस्थान है। इसका संचालन स्वायत्त संगठन केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल द्वारा किया जाता है।

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी के विकास, प्रचार-प्रसार और प्रोत्साहन में संस्थान की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। हिंदी राष्ट्रीय एकता और समन्वय की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। राजभाषा, राष्ट्रभाषा और संपर्क भाषा के रूप में इस पर विभिन्न भारतीय भाषाओं में आपसी संवाद को बढ़ाते हुए भारत की समावेशी संस्कृति के विकास की भी जिम्मेदारी है। यही तथ्य केंद्रीय हिंदी संस्थान की स्थापना और इसके हर कार्यक्रम के मूल में विद्यामान रहा है। संस्थान विदेशों में हिंदी भाषा अैर उसके माध्यम से आधुनिक भारत की चेतना और उसके लोकतांत्रिक मूल्यों को प्रसारित करने के लिए भी संकल्पित है।

इसी दायित्व बोध के साथ संस्थान द्वारा सन् 1989 में हिंदी सेवी सम्मान योजना का आरंभ किया गया। वर्ष 2015 से इस योजना के अंतर्गत 12 पुरस्कार श्रेणियों के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले 26 हिंदी सेवी विद्वानों को प्रति वर्ष सम्मानित किया जाना सुनिश्चित किया गया है। पुरस्कार श्रेणियाँ हैं -

पुरस्कार	विषय क्षेत्र	संख्या
गंगाशरण सिंह पुरस्कार	हिंदी प्रचार-प्रसार एवं हिंदी प्रशिक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए	4
गणेश शंकर विद्यार्थी पुरस्कार	हिंदी पत्रकारिता तथा जनसंचार के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए	2

आत्माराम पुरस्कार	विज्ञान, चिकित्सा विज्ञान एवं अभियांत्रिकी के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए	2
सुब्रह्मण्यम भारती पुरस्कार	सर्जनात्मक एवं आलोचनात्मक क्षेत्र में उल्लेखनीय लेखन कार्य के लिए	2
महापंडित राहुल सांकृत्यायन पुरस्कार	हिंदी माध्यम से ज्ञान के विविध क्षेत्र, पर्यटन एवं पर्यावरण से संबंधित क्षेत्र में मौलिक अनुसंधान के लिए	2
डॉ. जॉर्ज ग्रियर्सन पुरस्कार	विदेशी हिंदी विद्वान को विदेशों में हिंदी के प्रचार-प्रसार एवं लेखन में उल्लेखनीय कार्य के लिए	2
पद्मभूषण डॉ. मोटूरि सत्यनारायण पुरस्कार	आप्रवासी भारतीय विद्वान को विदेशों में हिंदी के प्रचार-प्रसार एवं लेखन कार्य के लिए	2
सरदार वल्लभ भाई पटेल पुरस्कार	कृषि विज्ञान एवं राष्ट्रीय एकता के क्षेत्र में उल्लेखनीय लेखन कार्य के लिए	2
दीनदयाल उपाध्याय पुरस्कार	मानविकी के क्षेत्र में एवं कला, संस्कृति एवं विचार की भारतीय चिंतन परंपरा के क्षेत्र में उल्लेखनीय लेखन कार्य के लिए	2
स्वामी विवेकानंद पुरस्कार	भारतविद्या (इंडोलॉजी) के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए	2
पंडित मदन मोहन मालवीय पुरस्कार	शिक्षाशास्त्र एवं प्रबंधन में हिंदी माध्यम से उल्लेखनीय लेखन कार्य के लिए	2
राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन पुरस्कार	विधि एवं लोक प्रशासन के क्षेत्र में हिंदी भाषा में उल्लेखनीय लेखन कार्य के लिए	2

पुरस्कृत विद्वानों को प्रशस्ति-पत्र, दुशाला और पांच लाख रुपए की धनराशि प्रदान की जाती है। अब हम राष्ट्रपति महोदय द्वारा दिए जाने वाले प्रशस्ति-पत्र ग्रहण करने के लिए पुरस्कृत विद्वानों को आमंत्रित करते हैं।

गंगाशरण सिंह पुरस्कार

- प्रो. एस. शेषारत्नम्
- डॉ. एम. गोविन्दराजन
- प्रो. हरमहेन्द्र सिंह बेदी
- प्रो. एच. सुवदनी देवी

गणेश शंकर विद्यार्थी पुरस्कार

- श्री बल्देव भाई शर्मा
- श्री राहुल देव

आत्माराम पुरस्कार

- डॉ. गिरीश चन्द्र सक्सैना
- डॉ. फणि भूषण दास

सुब्रह्मण्य भारती पुरस्कार

- प्रो. सूर्य प्रसाद दीक्षित
- श्रीमती चंद्रकांता

महापंडित राहुल सांकृत्यायन पुरस्कार

- श्रीमती चित्रा मुद्गल
- डॉ. जयप्रकाश कर्दम

डॉ. जॉर्ज ग्रियर्सन पुरस्कार

- प्रो. फ़ुजिइ ताकेशि (जापान)
- प्रो. गब्रिएला निक. इलिएवा (यू.एस.ए.)

पद्मभूषण डॉ. मोटूरि सत्यनारायण पुरस्कार

- डॉ. पुष्पिता अवस्थी (नीदरलैण्ड)
- डॉ. पद्मेश गुप्त (यू.के.)

सरदार वल्लभ भाई पटेल पुरस्कार

- प्रो. बी.आर. छीपा
- श्री दयाप्रकाश सिन्हा

दीनदयाल उपाध्याय पुरस्कार

- डॉ. महेश चंद्र शर्मा
- डॉ. राकेश सिन्हा

स्वामी विवेकानन्द पुरस्कार

- श्री श्रीधर पराडकर
- डॉ. श्रीरंजन सूरिदेव

पंडित मदन मोहन मालवीय पुरस्कार

- प्रो. नित्यानंद पाण्डेय
- श्री जगदीश प्रसाद सिंघल

राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन पुरस्कार

- प्रो. शिवदत्त शर्मा
- प्रो. अशोक कुमार शर्मा